दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 06 जुलाई 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 279

2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की ओर भारत : एनके सिंह

नई दिल्ली । आरएनएस

भारत के बड़े अर्थशास्त्री और नीति निर्माताओं में एक एनके सिंह ने कहा है कि विश्व भारत के युग में प्रवेश की दहलीज पर खड़ा है और तेज वृद्धि दर होने के कारण देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है।

सिंह ने ये बातें लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई) में प्रतिष्ठित मानद फेलोशिप प्रदान किए जाने के दौरान अपने संबोधन में कहीं।

सिंह ने आगे कहा कि उन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर अमर्त्य सेन और पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन जैसे भारतीयों की श्रेणी में आकर गर्व महसूस हो रहा है।

यूनिवर्सिटी की ओर से कहा गया कि सिंह को दिया गया सम्मान एलएसई के साथ लंबे समय तक और प्रतिबद्ध संबंधों और एलएसई के भारत सलाहकार बोर्ड के सह-अध्यक्ष के रूप में भारत के साथ संबंधों को सुविधाजनक बनाने में उसके प्रयासों को मान्यता देता है।

अपने संबोधन में सिंह ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में वह और सभी केंद्रीय मंत्री 2047 के विकसित भारत के विजन को लेकर प्रतिबद्ध हैं। अगले दशकों तक भारत को विकास दर की इस रफ्तार को बनाए रखने की जरूरत है। भारत दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की विकास दर 8.2 प्रतिशत थी, जो कि चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

एनके सिंह भारत के प्रमुख अर्थशास्त्रियों में से एक हैं। वे 15वें वित्त आयोग के चेयरमैन रह चुके हैं।

इससे पहले, वे राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन समीक्षा समिति (एफआरबीएम) के अध्यक्ष रह चुके हैं। वे 2008 से 2014 तक संसद के उच्च सदन, राज्य सभा के सदस्य भी रहे। इस दौरान उन्होंने लोक लेखा समिति, विदेश मामलों की समिति और मानव संसाधन विकास समिति सहित कई प्रमुख संसदीय स्थायी समितियों में योगदान दिया।

नीट पीजी को लेकर बड़ा ऐलान, अब 23 जून नहीं 11 अगस्त को होगा परीक्षा

नई दिल्ली । आरएनएस

नीट पीजी को लेकर बड़ा ऐलान किया गया है। नीट पीजी का एग्जाम अब 11 अगस्त को होगा। इससे पहले यह एग्जाम 23 जून को होने वाला था। हालांकि अब इस की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। साथ ही कट ऑफ डेट यानी परीक्षा के नतीजे 15 अगस्त को आएंगे। हालांकि, रिजल्ट की तारीखों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, पहले भी परीक्षा की कट-ऑफ डेट 15 अगस्त ही थी।

ये मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम 11 अगस्त को दो शिफ्ट में होगा। इससे पहले परीक्षा में गड़बड़ी और धांधली की आशंका के चलते इसे रद्द कर दिया गया था। नेशनल बॉर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस ने एक शुक्रवार को नोटिस जारी कर ये जानकारी दी है। नोटिस में लिखा गया है कि परीक्षा की पुरानी तारीख को रिशेड्यूल करते हुए नई तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। नोटिस में कहा गया है कि परीक्षा शिफ्ट और उससे जुड़ी बाकी जानकारियां, आधिकारिक वेबसाइट- पर डाल दी जाएंगी।

नीट पीजी की परीक्षा इससे पहले 23 जून होने वाली थी। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय ने एहतियात के तौर पर तब इस रद्द कर दिया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पहले कहा था कि वो मेडिकल छात्रों के लिए एनईईटी-पीजी परीक्षा की प्रक्रिया की जांच करेगा। इस परीक्षा को और उसके टेक्नोलॉजी पार्टनर आयोजित कराते हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

बाबा ने बना रखी है प्राइवेट आर्मी, प्रशासन को मिली लोकेशन, जल्द होगा गिरफ्त में

हाथरस (आरएनएस)। हाथरस में हुए भगदड़ कांड ने करीब सवा सौ लोगों की जान ले ली और इस हादसे के बाद जो खुलासे हो रहे हैं वो हैरान कर देने वाले हैं।?ये खुलासे उस बाबा को लेकर हैं जिनके सत्संग के बाद यह भगदड़ मची।?बताया जाता है कि भोले बाबा ने प्राइवेट आर्मी?तैयार की हुई है और?उस आर्मी को बहुत से अधिकार दिए हुए हैं।? जैसे कि बिना आर्मी की मंजूरी बाबा के सत्संग में प्रशासन का अधिकारी नहीं जा सकता।?इसके अलावा पिंक आर्मी को ट्रेनिंग के नाम पर क्राउड मैनेजमेंट और ट्रैफिक की ट्रेनिंग दी जाती है। ब्लैक कैट कमांडो को सुरक्षा करने की ट्रेनिंग दी जाती है। 2 जून को हाथरस के फुलरई गांव में नारायण साकार विश्व हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग समापन पर भगदड़ मचने से बड़ा हादसा हुआ था, इसमें 121 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद से 'भोले बाबा' फरार हो गया। सूत्रों के मुताबिक, बाबा की लोकेशन मैनपुरी के आश्रम में ही है। हादसे के बाद से ही भोले बाबा इस आश्रम में आ गया था. वह अपनी लग्जरी गाड़ी के जरिए घटनास्थल से सीधे मैनपुरी आश्रम पहुंच गया था।

हाई टेंशन तार के चपेट से दो युवकों की मौत

जौनपुर (आरएनएस)। जिले के सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के बछुआर गांवनिवासी दो युवक गुरुवार की देर शाम हाई टेंशन तार के चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गए और उनकी मृत्यु हो गई। जानकारी पर ग्रामीणों ने आनन फानन में पीएचसी ले गए जहां शुरुआती उपचार के बाद गंभीर हालत में बदलापुर रेफर कर दिया गया बदलापुर चिकित्सक डॉक्टर संजय दुबे ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में 22 वर्षीय सूरज तिवारी पुत्र कृष्ण कुमार तिवारी व 23 वर्षीय श्याम यादव पुत्र अमरनाथ यादव निवासी बछुआर है। घटना के बाद परिजनों सहित ग्रामीणों में कोहराम मचा है।

खड़ी ट्रक में घुसी बोलेरो दो की मौत, तीन घायल

मीरजापुर (आरएनएस)। राजगढ़ थाना क्षेत्र के विशनपुरा में खड़ी ट्रक में पीछे से तेज रफ्तार बोलेरो घुस जाने से दो की मौत हो गई है जबकि तीन गंभीर रूप से घायल होने बताएं जा रहें हैं। गंभीर रूप से घायल को रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार डॉक्टर पंकज पांडे अपने परिवार के साथ बढ़ौली चौराहा राबर्ट्सगंज, सोनभद्र से मिर्जापुर जा रहे थे कि रास्ते में ही राजगढ़ थाना क्षेत्र के विशनपुरा के पास खड़ी ट्रक में बोलेरो घुस गई जिसमें मृतक डॉक्टर पंकज पांडे 45 वर्षीय पुत्र स्वर्गीय महेंद्र पांडे बढ़ौली चौराहा निवासी की मौत हो गई। उनके साथ उनके पुत्र नव्य पांडे 14 वर्षीय पुत्र डॉक्टर पंकज पांडेय की भी मौत हो गई। मृतक डॉक्टर पंकज पांडे की पत्नी अनीता पांडे 40 वर्षीय और 8 वर्षीय पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा बोलेरो चालक अमरनाथ 40 वर्षीय भी घायल हो गए हैं। सभी बढ़ौली चौराहा राबर्ट्सगंज के निवासी हैं। बताया जा रहा है कि जैसे ही खड़ी ट्रक में बोलेरो घुसी लोगों की चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे थे और डायल 112 व एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना होने पर मौके पर पहुंचे राजगढ़ थाना प्रभारी अमित कुमार ने सभी घायलों को राजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां पर डॉक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद सभी को मिर्जापुर मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। दुर्घटना में बोलेरो के पर खच्चे उड़ गए थे।

समुद्र तट पर पड़े मिले 89 लोगों के शव, मछली पकड़ने वाली बोट पर थे सवार

नोउअक्चोत्त । मॉरिटानिया के तट रक्षकों ने दक्षिण-पश्चिमी मॉरिटानिया के एन'डियागो के पास 89 अवैध प्रवासियों के शव बरामद किए हैं। प्रवासी मछली पकडऩे वाली बोट पर सवार थे। बोट एनडियागो शहर से चार किलोमीटर दूर अटलांटिक महासागर में फंसी हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, मॉरिटानिया के तट रक्षकों ने पांच साल की एक बच्ची समेत नौ लोगों को बचा लिया। रिपोर्ट में जीवित बचे लोगों के हवाले से बताया गया है कि यह बोट छह दिन पहले सेनेगल-गाम्बिया सीमा से यूरोप की ओर रवाना हुई थी। इसमें 170 प्रवासी सवार थे।

खौफनाक : केरोसिन डालकर महिला और उसके बेटे को जिंदा जलाया, पति की हालत गंभीर

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले से बेहद ही दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां जिले के नोतुंगित गांव में शुक्रवार को कुछ अज्ञात लोगों ने एक महिला और उसके चार साल के बेटे को जलाकर मार डाला। इस घटना में मृतकों की पहचान रुम्पा बीबी (30) और उनके चार साल के बेटे अयान शेख के रूप में हुई है। वहीं महिला के पति शेख टुटा (40) को गंभीर रूप से झुलसने के कारण स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बता दें कि इस घटना में शेख टुटा का बड़ा बेटा बच गया है। घटना के समय वह दूसरे कमरे में सो रहा था। उन्होंने मीडियाकर्मियों को बताया कि शुक्रवार की सुबह वह अपनी मां की चीख सुनकर उठे। बेटे ने बताया कि जिस कमरे में उनके माता-पिता और छोटा भाई सो रहे थे, उस कमरे की सडक़ किनारे की खिड़कियां खुली थीं।

उन्होंने बताया, वह आग में फंस गए और कमरे से केरोसिन की तेज गंध आ रही थी। ऐसा लग रहा था कि बाहर से आए कुछ बदमाशों ने खुली खिडक़ी से कमरे में केरोसिन छिडक़ा और फिर आग लगा दी। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह दंपति और नाबालिग बेटे को कमरे से बाहर निकाला और उन्हें जल्दी से बोलपुर उप-विभागीय अस्पताल और फिर बर्दवान मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले गए।

अस्पताल ले जाने के कुछ ही मिनटों बाद नाबालिग बेटे और उसकी मां की मौत हो गई। पिता का अभी इलाज चल रहा है, हालांकि उनकी हालत बेहद गंभीर है। वहीं इस भयानक घटना को लेकर पूरे गांव में तनाव और दहशत का माहौल है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि पता लगाया जा सके कि इस हादसे में कोई व्यक्तिगत दुश्मनी तो नहीं थी।

माओवादियों के खिलाफ बड़ी सफलता, 10-10 लाख के इनामी दो माओवादी नक्सलियों ने किया सरेंडर

लातेहार । आरएनएस

झारखंड के लातेहार जिले में पुलिस और सुरक्षा बलों के समक्ष माओवादी नक्सली कमांडर नीरज सिंह खरवार उर्फ संजय खरवार और सालमन उर्फ लोकेश गंझू उर्फ राजकुमार गंझू ने शुक्रवार (5 जुलाई) को सरेंडर कर दिया। दोनों पर 10-10 लाख रुपए के इनाम घोषित थे।

इनका दर्जा माओवादी नक्सली संगठन में जोनल कमांडर का था और दोनों दर्जनों नक्सली वारदातों में वांटेड थे। इनका आत्मसमर्पण पुलिस के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है। नक्सलियों के सरेंडर के मौके पर पलामू के डीआईजी वाईएस. रमेश, उपायुक्त गरिमा सिंह, पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन, सीआरपीएफ के कमाडेंट केडी. जोशी और बीपी त्रिपाठी मौजूद रहे।

इन अफसरों ने मुख्यधारा में लौटे दोनों माओवादियों का बुके और शॉल भेंटकर स्वागत किया। इस मौके पर दोनों माओवादियों के परिजन भी मौजूद रहे। बताया गया कि इनामी नक्सली नीरज पर विभिन्न थानों में 24 और सालमन पर 11 मामले दर्ज हैं। सालमन ने पुलिस को बताया कि वह पिछले 22 सालों से नक्सली संगठन से जुड़ा था। उसने लातेहार और लोहरदगा क्षेत्र की कई घटनाओं को अंजाम दिया है।

नीरज गंझू वर्ष 2004 में भाकपा माओवादी संगठन में शामिल हुआ था। उसने 2013 में मेदिनीनगर-रांची मुख्य पथ पर पतकी जंगल में आईईडी लगाने, 2018 में कुजरूम जंगल में झारखंड जगुआर के साथ मुठभेड़ और अन्य वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

पलामू के डीआईजी वाईएस रमेश ने अन्य माओवादियों से भी सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सरेंडर करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र से माओवादियों का सफाया हो चुका है। जो शेष बचे हैं, वे पुलिस की रडार पर हैं।

रूस ने किया परमाणु मोबाइल मिसाइल का परीक्षण, 100 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक कर सकेगी हमला

रूस

रूस और यूक्रेन के बीच महीनों से लड़ाई चल रही है, अब रूस ने मोबाइल न्यूक्लियर मिसाइल टेस्ट किया है। रक्षा मंत्रालय के हवाले से ये बात सामने आई है, यार्स मिसाइल लांचर दल दो यूनिट से आगे बढऩे के लिए तैयार है। वहीं 100 किलोमीटर दूर तैनाती के लिए इस मिसाइल का टेस्ट किया जा रहा है, बताया जा रहा है भविष्य में कई और अधिक दल अभ्यास में शामिल होंगे।

इस मिसाइल की खास बात ये है कि ये मोबाइल बेस्ड मिसाइल है, इसे ट्रक की मदद से एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। रूस इससे पहले भी अपनी कई मिसाइल को टेस्ट कर चुका है। रूस ने हाल ही में कपुस्टिन यार रेंज से टॉप सीक्रेट इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल की टेस्टिंग की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मिसाइल परमाणु हमला करने में कारगर है। इस मिसाइल का जोर रूस की सुरक्षा पर है,ये रूस की सुरक्षा को पुख्ता करने में मदद करेगी। ये एक सॉलिड फ्यूल मिसाइल है, इसे जमीन पर किसी चलती गाड़ी में तैनात किया जा सकता है।

'पश्चिमी क्षेत्र में हमला कर सकते हैं हथियार'

वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध की अगर बात करें तो राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में यूक्रेन युद्ध में पश्चिमी देशों को बढ़ती भागीदारी पर चिंता जताई थी। उनका कहना था कि अगर पश्चिमी देश इस युद्ध में शामिल होंगे तो ऐसे में 'इंटरनेशनल न्यूक्लियर वार' का खतरा बढ़ जाएगा। पुतिन ने ये भी कहा था कि 'हमारे पास ऐसे हथियार भी हैं जो पश्चिमी क्षेत्र में अपने-अपने टारगेट पर हमला कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा था हम पश्चिमी देशों को सलाह दे रहे हैं न कि डरा रहे हैं। यूक्रेन के साथ नाटो देशों के आने पर परमाणु संघर्ष का वास्तविक खतरा पैदा हुआ है, जिसका मतलब हमारी सभ्यता का विनाश होगा।

कुआं बना काल : लकड़ी निकालने उतरा युवक, बचाने में पिता और 2 बेटों समेत 5 की मौत

जांजगीर-चांपा । आरएनएस

छत्तीसगढ़ के जांजगीर चाम्पा जिले के बिर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव किकिरदा में, लंबे समय से ढके होने के कारण कुएं में बनी जहरीला गैस की वजह से उतरे 5 लोगों की मौत हो गई।

मृतकों ने रामचंद्र जायसवाल, रमेश पटेल, जितेंद्र पटेल, राजेंद्र पटेल और टिकेश्वर चंद्र शामिल है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर बिर्रा पुलिस पहुंच गई है। इसके साथ एसडीआरएफ और एफएसएल की टीम बुलाई गई है। एसडीआरएफ की टीम आने पर पांचों के शव को कुएं से निकाला जाएगा। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ भी जुटी हुई है।

पुलिस के अनुसार आज सुबह एक लकड़ी कुएं में गिर गई थी उसे निकालने के लिए रामचरण जायसवाल नामक शख्स कुएं में उतरा। अंदर जहरीली गैस से उसका दम घुटने लगा फिर वह पानी में डूब गया। उसे बचाने के लिए पड़ोसी रमेश पटेल नीचे उतरा तो उसका भी दम घुटने लगा। इसके बाद उसके बेटे राजेंद्र और जितेंद्र पटेल कुएं में उतरे तो उनका भी दम घुट गया और वे भी डूब गए। एक अन्य पड़ोसी टिकेश चंद्रा कुएं में उतरा और उसकी भी मौत हो गई। गिरी लकड़ी को निकालने के फेर में शख्स कुएं में उतरा बाहर नहीं निकला, जिसे निकालने के फेर में कुएं में एक-एक उतरे चार लोग भी मौत के गाल में समा गए. घटना को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शोक जताया है।

केजरीवाल की जमानत याचिका पर सीबीआई को हाई कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली । आरएनएस

दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को शराब घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की दायर जमानत याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने सीबीआई से अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई तय की है। सुनवाई के दौरान सीबीआई का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने हाई कोर्ट में जमानत याचिका दायर करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सीएम केजरीवाल को जमानत के लिए पहले निचली अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था।

हालांकि, बेंच ने कहा कि इस तर्क पर बाद में विचार किया जाएगा। बेंच ने सीबीआई को इस बीच अपना जवाब दाखिल करने को कहा है।

इससे पहले सीएम केजरीवाल की जमानत याचिका पर तत्काल सुनवाई के लिए कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (एसीजे) मनमोहन की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने बुधवार को पेश किया गया था।

एसीजे ने आश्वासन दिया था कि उनकी जमानत याचिका पर 5 जुलाई (शुक्रवार) को सुनवाई की जाएगी।

सीएम केजरीवाल इस समय भ्रष्टाचार के मामले में 12 जुलाई (14 दिन) तक न्यायिक हिरासत में हैं। उन्होंने सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी और उसके बाद एजेंसी की हिरासत की वैधता पर सवाल उठाया था।

26 जून को सीएम केजरीवाल को सीबीआई ने गिरफ्तार कर राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया था। इसके बाद उन्हें पूछताछ के लिए तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया था।

कक्षा 11 में नहीं करा सका बेटी का दाखिला, पिता ने पुत्री संग दी जान

मेरठ । आरएनएस

दौराला थानाक्षेत्र के चिरौड़ी गांव में गुरुवार को दो जिंदगियां गुरबत की भेंट चढ़ गई। बेटी का 11वीं में दाखिला नहीं करा पाने पर बेबस पिता ने मौत का रास्ता चुन लिया। उसने बेटी को जहरीला पदार्थ खिलाया। इसके बाद खुद भी जहर निगल लिया। हालत बिगडऩे पर पिता-पुत्री को मोदीपुरम स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। इस हृदयविदारक घटना से क्षेत्र में मातम पसर गया।

चिरौड़ी गांव निवासी जोगेंद्र प्रजापति (50) अपनी पत्नी लता के साथ भ्` पर मजदूरी करके परिवार पाल रहा था। जोगेंद्र के तीन बेटी खुशी (16), शीतल (13), शिवानी (10), बेटे शिवम (8) व रजत (5) हैं। बेटी खुशी ने गांव के सरस्वती शिक्षा निकेतन से 10वीं पास की थी। बताया जाता है कि खुशी अब 11वीं में दाखिला लेना चाहती थी, लेकिन पिता आर्थिक तंगी के चलते बेबस था। गुरुवार को जोगेंद्र और उसकी पत्नी लता के साथ मजदूरी करने चले गए।

दोपहर में जोगेंद्र घर पर खाना खाने आया था। दूसरे बच्चे बाहर खेल रहे थे। घर पर खुशी ही थी। लोगों के मुताबिक, जोगेंद्र ने खुशी को जहर देकर खुद भी खा लिया। दोनों की हालत बिगडऩे लगी। इस दौरान पत्नी लता घर पहुंची तो जहर खाने की जानकारी हुई। लता के शोर मचाने पर लोग एकत्र हो गए। पिता-पुत्री को मोदीपुरम के अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां पर उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। सूचना पर सीओ दौराला शुचिता सिंह और थाना प्रभारी पहुंच गए।

जोगेंद्र की मौत के बाद चार बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। अब बच्चों की पूरी जिम्मेदारी लता के कंधों पर आ गई है। लता बदहवास है। महिलाएं किसी तरह उसे दिलासा देती रही। रोते हुए लता ने कहा कि अब वह अकेले चार बच्चों को कैसे पालेगी? वहीं, जोगेंद्र और खुशी के जहरीला पदार्थ खाने की सूचना पर प्रधान नरेशपाल भी अस्पताल पहुंचे। कहा कि वह और ग्रामीण परिवार के साथ हैं। परिवार की हर संभव मदद की जाएगी।

बने हुए थे राशन कार्ड व आयुष्मान कार्ड- मृतक जोगेंद्र का व परिवार के सदस्यों का आयुष्मान कार्ड बना हुआ है। प्रधान नरेशपाल ने बताया कि जोगेंद्र का एपीएल का राशन कार्ड बना हुआ था। यूनिट के हिसाब से उसे राशन मिल रहा था।